




---

---

---

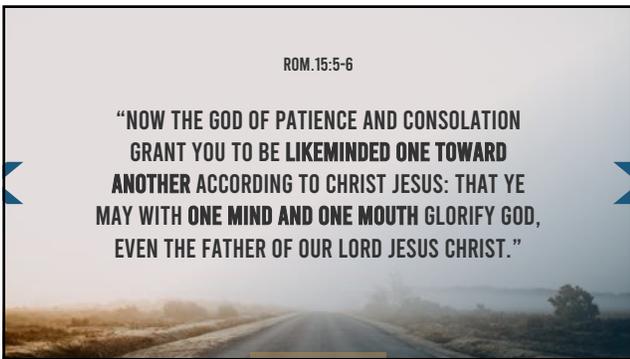
---

---

---

---

---




---

---

---

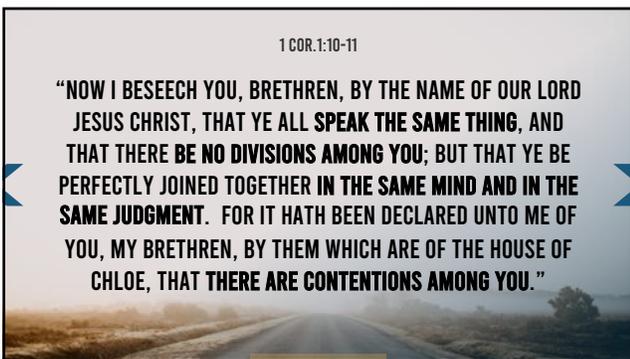
---

---

---

---

---




---

---

---

---

---

---

---

---

2 COR.13:11

“...BE OF GOOD COMFORT, **BE OF ONE MIND**, LIVE IN PEACE; AND THE GOD OF LOVE AND PEACE SHALL BE WITH YOU.”

---

---

---

---

---

---

---

---

EPH.4:1-6

“I THEREFORE, THE PRISONER OF THE LORD, BESEECH YOU THAT YE WALK WORTHY OF THE VOCATION WHEREWITH YE ARE CALLED, WITH ALL LOWLINESS AND MEEKNESS, WITH LONGSUFFERING, FORBEARING ONE ANOTHER IN LOVE; ENDEAVORING TO **KEEP THE UNITY** OF THE SPIRIT IN THE BOND OF PEACE. THERE IS ONE BODY, AND ONE SPIRIT, EVEN AS YE ARE CALLED IN ONE HOPE OF YOUR CALLING; ONE LORD, ONE FAITH, ONE BAPTISM, ONE GOD AND FATHER OF ALL, WHO IS ABOVE ALL, AND THROUGH ALL, AND IN YOU ALL.”

---

---

---

---

---

---

---

---

JN.17:20-22

“NEITHER PRAY I FOR THESE ALONE, BUT FOR THEM ALSO WHICH SHALL BELIEVE ON ME THROUGH THEIR WORD; THAT THEY ALL MAY **BE ONE**; AS THOU, FATHER, ART IN ME, AND I IN THEE, THAT THEY ALSO MAY **BE ONE** IN US: THAT THE WORLD MAY BELIEVE THAT THOU HAST SENT ME. AND THE GLORY WHICH THOU GAVEST ME I HAVE GIVEN THEM; THAT THEY MAY **BE ONE**, EVEN AS WE ARE ONE.”

---

---

---

---

---

---

---

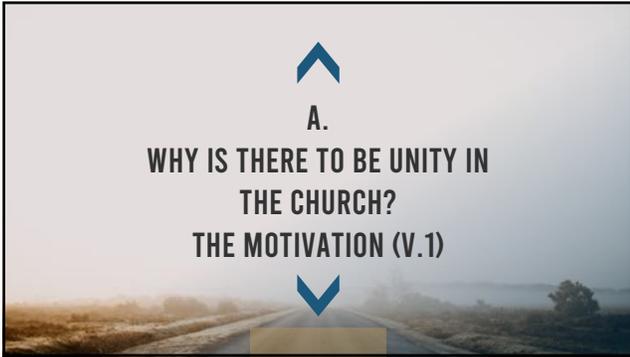
---

↑

**A.**

**WHY IS THERE TO BE UNITY IN  
THE CHURCH?  
THE MOTIVATION (V.1)**

↓



---

---

---

---

---

---

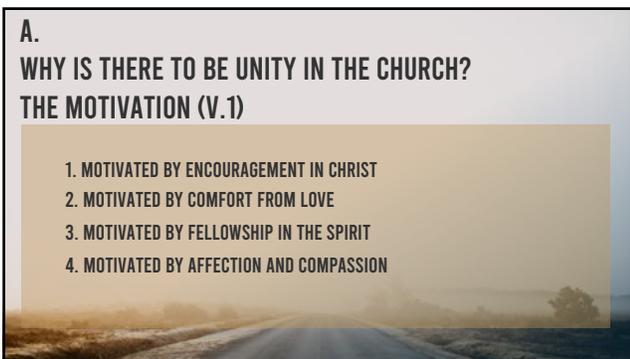
---

---

**A.**

**WHY IS THERE TO BE UNITY IN THE CHURCH?  
THE MOTIVATION (V.1)**

- 1. MOTIVATED BY ENCOURAGEMENT IN CHRIST
- 2. MOTIVATED BY COMFORT FROM LOVE
- 3. MOTIVATED BY FELLOWSHIP IN THE SPIRIT
- 4. MOTIVATED BY AFFECTION AND COMPASSION



---

---

---

---

---

---

---

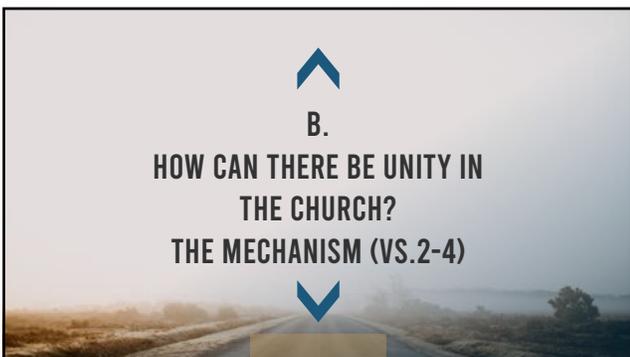
---

↑

**B.**

**HOW CAN THERE BE UNITY IN  
THE CHURCH?  
THE MECHANISM (VS.2-4)**

↓



---

---

---

---

---

---

---

---

**B.**  
**HOW CAN THERE BE UNITY IN THE CHURCH?**  
**THE MECHANISM (VS.2-4)**

1. BE A JOY-GIVER
2. BE LIKE-MINDED



---

---

---

---

---

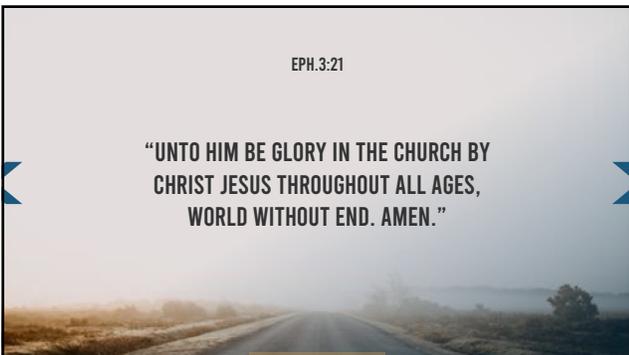
---

---

---

EPH.3:21

“UNTO HIM BE GLORY IN THE CHURCH BY  
CHRIST JESUS THROUGHOUT ALL AGES,  
WORLD WITHOUT END. AMEN.”



---

---

---

---

---

---

---

---

**B.**  
**HOW CAN THERE BE UNITY IN THE CHURCH?**  
**THE MECHANISM (VS.2-4)**

1. BE A JOY-GIVER
2. BE LIKE-MINDED
3. BE LOVE-BOUND



---

---

---

---

---

---

---

---




---

---

---

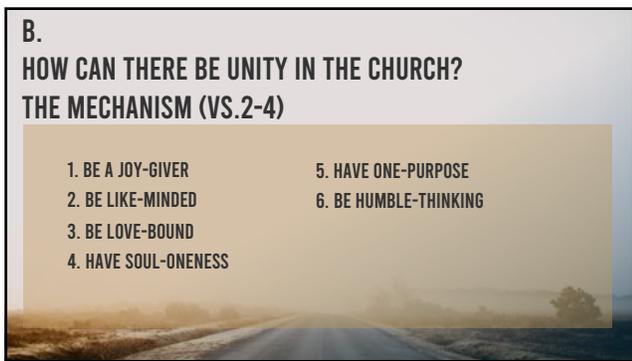
---

---

---

---

---




---

---

---

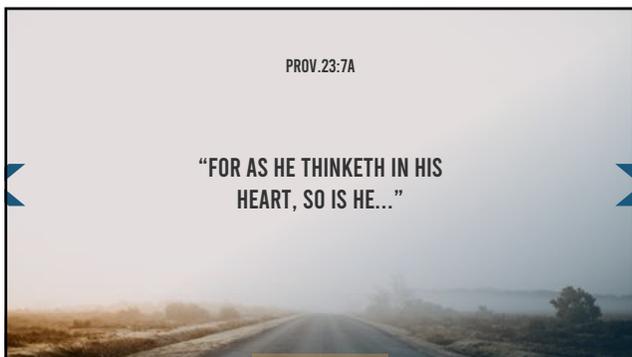
---

---

---

---

---




---

---

---

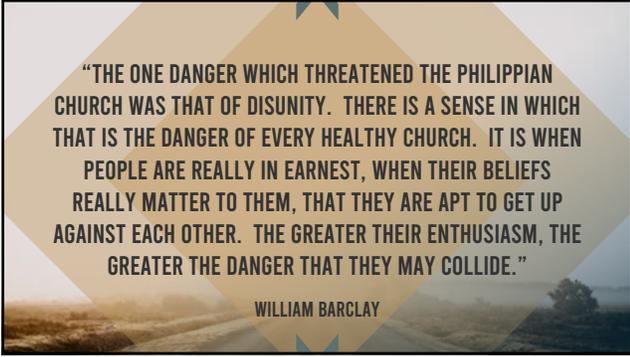
---

---

---

---

---



---

---

---

---

---

---

---